YEAR 9 HINDI WORKSHEETS

Day 1

वर्ष ९
बोधन

बहुत पहले की बात है, हस्तिनापुर राज्य में शान्तनु नाम के राजा राज्य करता था । उनकी मृत्यु के बाद राजा पाण्डु ने राज्य का कार्यभार सम्भाला । उनके पाँच पुत्र थे, पिता के नाम पर ये पाँचों भाई पाण्डव कहलाते थे । युधिष्ठिर सबसे बड़े थे । युधिष्ठिर से छोटे थे, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव । पाँचों भाई बहुत बलवान, बुद्धिमान और समस्त कलाओं में निपुण थे । दुख हो या सुख; हर हाल में वे एक साथ मिलकर रहते थे ।

राजा ने पाँचों राजकुमारों को अस्त्र-शस्त्र विद्या ग्रहण करने के लिए गुरु के आश्रम में भेज दिया । अन्य राजकुमारों के साथ पाण्डव भी गुरु के आश्रम में रहकर समस्त विद्याओं को ग्रहण करने लगे । भीम गदा चलाने में और अर्जुन धनुष-बाण चलाने में बहुत कुशल थे । अन्य सभी राजकुमार भी भिन्न-भिन्न विद्याओं में निपुण थे । गुरु अपने आश्रम के समस्त राजकुमारों को एक दृष्टि से देखा करते थे ।

गुरु द्रोणाचार्य समय-समय पर अपने शिष्यों की परीक्षा लिया करते थे । एक दिन गुरु ने निश्चित समय पर सभी राजकुमारों को एक बड़े से मैदान में बुलाया । आज उनकी परीक्षा का दिन था । गुरु ने दूर एक पेड़ पर लकड़ी की एक चिड़िया बैठा रखी थी । फिर गुरु ने राजकुमारों को चिड़िया दिखाते हुए कहा, "देखो पेड़ पर जो चिड़िया बैठी है उसकी आँख पर तुम्हें निशाना लगाना है । तुम सब अपने धनुष-बाण लेकर निशाना लगाने को तैयार हो जाओ । बारी-बारी से मैं तुम सबकी परीक्षा लूँगा ।" सबसे पहले गुरू ने युधिष्ठिर को बुलाया और चिड़िया की तरफ संकेत करते हुए पूछा, "उधर देखो, वहाँ तुम्हें क्या दिखाई देता है ?"

युधिष्ठिर ने कहा, "गुरुदेव मुझे पेड़, पेड़ पर बैठी चिड़िया और आस-पास की सभी चीजें दिखाई दे रहे हैं ।" गुरु ने झिड़ककर कहा, "हट जाओ, तुम निशाना नहीं लगा सकते ।" इस प्रकार गुरु ने एक-एक करके सभी राजकुमारों को बुलाया और सभी से यही प्रश्न किया । किसी ने कहा, "गुरुजी मुझे सभी राजकुमार और पेड़ दिखाई दे रहे हैं ।" कोई बोला, "मुझे चिड़िया के पंख दिखाई दे रहे हैं ।"

गुरु द्रोणाचार्य ने सभी को झिड़ककर हटा दिया । अन्त में उन्होंने निशाना लगाने के लिए अर्जुन को बुलाया और कहा, "अर्जुन तुम्हें चिड़िया की आँख पर निशाना लगाना है, अब तुम निशाना साधकर खड़े हो जाओ और अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाओ । पहले तुम्हें मेरे प्रश्नों का उत्तर देना होगा और जब मैं कहूँ तब बाण छोड़ देना ।" गुरु ने अर्जुन से भी वही प्रश्न पूछा ।

अर्जुन ने तुरन्त उत्तर दिया, "गुरुजी मुझे तो केवल चिड़िया की आँख दिखाई देती है ।" "बेटा बाण छोड़ दो ।" यह सुनकर अर्जुन ने बान छोड़ दिया और बान सीधा

चिड़िया की आँख पर लगा ।

गुरु ने सभी बच्चों को समझाते हुए कहा, "प्यारे बच्चों, जहाँ निशाना लगाना हो ध्यान केवल उसी पर होना चाहिए तभी सफलता प्राप्त होती है । इधर-उधर सभी कुछ देखने से ध्यान बँट जाता है और निशाना ठीक नहीं लगता । अर्जुन की तरह विद्यार्थियों को भी अपनी पढ़ाई को जीवन का एकमात्र लक्ष्य समझकर उसी पर पूरा ध्यान लगाना चाहिए ।

संकलित

अ. सही जवाब पर गोलाकार निशान बनाइए ।

१. राजा पाण्डु के पुत्र किस नाम से जाने जाते थे ?
क. पाण्डु
ख. पाण्डव
ग. शान्तनु
घ. राजकुमार

२. राजकुमारों को किसके पास अस्त्र-शस्त्र विद्या ग्रहण करने के लिए भेजा गया था ?
क. युधिष्ठिर के पास
ख. गुरू वशिष्ठ के पास
ग. आचार्य के पास
घ. गुरू द्रोणाचार्य के पास

३. राजकुमार युधिष्ठिर के पास कितने छोटे भाई थे ?
क. दो
ख. तीन
ग. चार
घ. पाँच

४. भीम ने किस विद्या में निपुणता हासिल की थी ?
क. गदा चलाने में
ख. तलवार चलाने में
ग. लड़ाई करने में
घ. धनुष-बाण चलाने में

५. पाठ के अनुसार "एक दृष्टि से देखा करते थे" का अर्थ क्या है ?
क. छोटा-बड़ा समझना
ख. अलग-अलग देखना
ग. एक बराबर समझना
घ. राजकुमार समझना

६. गुरुजी ने पेड़ पर लकड़ी की चिड़िया क्यों बैठाई थी ?
क. दिखाने के लिए
ख. खेलने के लिए
ग. पकड़ने के लिए
घ. निशाना लगाने के लिए

७. निशाना लगाने के लिए राजकुमारों के हाथ में क्या था ?
क. गदा
ख. कुछ नहीं
ग. हथियार
घ. धनुष-बाण

८. पाठ के अनुसार झिड़ककर का अर्थ क्या है ?
क. दुलार से
ख. दण्ड देकर

ग. डाँट-डपटकर　　घ. प्यार से समझाकर

९. गुरुजी राजकुमारों की किस विषय में परीक्षा लेना चाहते थे ?
क. गदा चलाने की　　ख. अस्त्र-शस्त्र की
ग. दूर तक देखने की　　घ. निसाना लगाने की

१०. अर्जुन का निशाना ठीक चिड़िया की आँख पर लगा क्योंकि अर्जुन का ध्यान ------ ।
क. चिड़िया पर था　　ख. चिड़िया और पेड़ पर था
ग. चिड़िया के पंख पर था　　घ. चिड़िया की आँख पर था

आ. दिए गए सवालों के जवाब पूरे वाक्यों में लिखिए ।

११. गुरू द्रोणाचार्य ने सभी राजकुमारों को निशाना लगाने की आज्ञा क्यों नहीं दी ? दो उदाहरण देकर समझाइए ।

१२. इस पाठ से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? उदाहरण देकर समझाइए ।

Day 2

भाष ा

दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर पूरा करो । सही जवाब के अक्षर पर गोलाकार निशान बनाइए ।

१. दादाजी कहा करते थे _____ मैं एक प्रसिद्ध कवि बन सकता हूँ ।
क. की　　ख. का
ग. कि　　घ. के

२. हमें _____ की भलाई के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए ।
क. दूसरो　　ख. दूसरी
ग. दूसरा　　घ. दूसरों

३. पन्द्रह मिनट इन्तज़ार करने के बाद बस आ _____ ।
क. गए　　ख. गई
ग. गया　　घ. गईं

४. मोहन ने _____ माता जी के लिए फल खरीदे ।
क. अपनीं　　ख. अपने
ग. अपनी　　घ. अपना

५. अमावस की रात को दीपावली उत्सव _____ जाता है ।

क. मनाई　　ख. मनाया

ग. मनाए　　घ. मनाईं

६. ज्योतिषि भविष्य के बारे में _____ वाले लोग होते हैं ।

क. बताना　　ख. बता

ग. बताने　　घ. बताएँगे

७. ठीक समय पर परिश्रम करोगे _____ परीक्षा में सफल होगे ।

क. तो　　ख. परन्तु

ग. वरना　　घ. इसलिए

८. सरकार का _____ है कि गाँव में सभी की मदद की जाएगी ।

क. कहने　　ख. कहना

ग. कहनी　　घ. कहती

९. पूर्णिमा की रात को होलिका जलाई _____ है ।

क. जाते　　ख. जाती

ग. जाता　　घ. जातें

१०. बराबर कर्म करते रहने _____ नाम ही जीवन है ।

क. करते　　ख. करता

ग. करती　　घ. करतें

Day 3

संस्कृति

१. "ओ३म्" शब्द के कितने अर्थ हैं ?

२. ईश्वर का सर्वश्रेष्ठ नाम क्या है ?

३. संस्कार कितने हैं ?

४. पहला संस्कार कौन-सा है ?

५. संसकार का अर्थ अपने शब्दों में लिखिए ?

६. प्रथम तीन संस्कारों को अपने शब्दों में लिखिए

Day 4

इस कविता को केवल पढ़िए ।

कवित ा - नर हो , न निराश करो मन को

नर हो, न निराश करो मन को ।
कुछ काम करो, कुछ काम करो,
जग में रह कर कुछ नाम करो ।
जन्म हुआ किस अर्थ अहो,
समझो जिससे यह व्यर्थ न हो ।
कुछ तो उपयुक्त करो तन को,
नर हो, न निराश करो मन को ॥१॥
सँभलो कि सुयोग न जाए चला,
कब व्यर्थ हुआ सदुपाय भला ?
समझो जग को न निरा सपना,
पथ आप प्रशस्त करो अपना ।
अखिलेश्वर है अवलम्बन को,
नर हो, न निराश करो मन को ॥२॥
निज गौरव का नित् ज्ञान रहे,
हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे ।
सब जाए अभी, पर मान रहे,
मरणोत्तर गुंजित गान रहे ।
कुछ हो, न तजो निज साधन को,
नर हो, न निराश करो मन को ॥३॥
प्रभु ने तुमको कर दान किए,
सब वांछित वस्तु-विधान किए ।
तुम प्राप्त करो उनको न अहो,
फिर है यह किसका दोष कहो ?
समझो न अलभ्य किसी धन को,
नर हो, न निराश करो मन को ॥४॥
किस गौरव के तुम योग्य नहीं,
कब कौन तुम्हें सुख भोग्य नहीं ?

जन हो तुम भी जगदीश्वर के,
सब हैं जिसके अपने घर के ।
फिर दुर्लभ क्या उसके जन को,
नर हो, न निराश करो मन को ।।५।।
करके विधिवाद न खेद करो,
निज लक्ष्य निरन्तर भेद करो ।
बनता बस उद्यम ही विधि है,
मिलती जिससे सुख की निधि है ।
समझो धिक निष्क्रिय जीवन को,
नर हो, न निराश करो मन को ।।६।।

मैथिली शरण गुप्त

Day 5

पत्र लेखन

तुम अपनी माँ को मातृ दिवस की अवसर पर उनको बधाई दो और पढ़ाई अधिक होने के कारण न आने के लिए क्षमा माँगिए ।
तुम्हारा नाम अखिल शर्मा / अनुराधा लाल है और तुम्हारा पता है एफ. एन. यू
लौतोका ।

Day 6

अनुवाद

नीचे दिए गए अंश को हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

When I was young, my grandmother told me that if I swallowed gum, it would grow into a gum tree in my stomach. I was so worried about this happening that I immediately threw all the gum into the trash. My grandfather saw me doing this and asked why I was wasting perfectly good gum. I told him that it will grow into a tree in my stomach if I swallowed it. He told me that it will not grow into a tree but it will remain in my stomach for seven years.

Day 7

भाषा

क. दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर इन वाक्यों को पूरा कीजिए ।

१. गाय का ताजा दूध पीने में अधिक स्वादिष्ट --------- है ।
क. होते
ख. होतीं
ग. होतें
घ. होता

२. शीला की मौसी अधिक सफाई ---------- है ।
क. करता
ख. करती
ग. करते
घ. करतीं

३. शर्माजी कहते हैं कि ---------- घमण्डी लोगों से घृणा है ।
क. उसे
ख. उसको
ग. उन्हें
घ. उन्हीं

४. यह दुष्टों की आदत है कि ---------- दूसरों की बुराई ही करते हैं ।
क. वे
ख. उन्हें
ग. उसे
घ. उन

५. भगवान कृष्ण का कहना है कि ---------- कर्म करना चाहिए तथा फल की इच्छा नहीं ।
क. हमारा
ख. हमें
ग. हमारी
घ. हमार

६. पण्डित जी कहते हैं कि यज्ञ करने से ---------- वातावरण भी साफ होता है ।

क. तुम्हारा
ख. तुम्हारी
ग. तुम्हारें
घ. तुम्हारीं

७. पिताजी को भाइयों के लिए एक नई गाड़ी ---------- चाहिए ।

क. खरीदनी
ख. खरीदनीं
ग. खरीदने
घ. खरीदना

८. हमारा देश अक्सर बाढ़ और तूफान का शिकार ---------- है ।

क. होती
ख. होता
ग. होतीं
घ. होते

९. ---------- कर्मचारियों की हड़ताल से देश को हानि हुई ।

क. उन
ख. उस
ग. उन्हें
घ. उन्हीं

१०. हे भगवान, अब ---------- ही मेरी रक्षा करो ।

क. तुम
ख. आप
ग. तू
घ. मैं

ख. कोष्ठक में दिए गए क्रिया शब्द के सही रूप को अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए ।

१. कल हमने रामायण की कथा ------ । (सुनना)

२. इस कक्षा में चार लड़के और पाँच लड़कियाँ ------ हैं । (पढ़ना)

ग. इन वाक्यों में दो गलतियाँ हैं, उन्हें पहचानिए और सही करके वाक्यों को उत्तर-पुस्तिका में लिखिए ।

१. उसके नाना का मृत्यु पिछले सप्ताह हो गया ।
२. गाए ने लात से बछड़े का मारे ।

घ. दिए गए शब्दों की वर्तनी सुधार कर लिखिए ।

१. आनोखा
२. वयक्तिगत
३. चरचा
४. ग्यान

Day 8

धरती मेरी माता का सारांश

अध्याय १

- फीजी सुरज का देश है ।
- यहाँ सब से पहले सुबह होती है
- लौतोका और नांदी के बीच वीती का लेज है
- नन्द कुमार (नन्दू)

अपने दोस्तों मेली, मंगल और लक्ष्मण के साथ उसी कालेज में पढ़ता था

- सबसे शरारती – मंगल और लक्ष्मण है
- नन्द कुमार की टीचर ने उसे एक भाषण में भाग लेने को कहा था उसी की तैयारी में वह लायब्रारी में बैठा था ।

अध्याय २

फीजी सांस्कृतिक समिती ने वह कार्यक्रम चर्चल पार्क लौतोका में अयोजित किया था

- नन्द कुमार के भाषण का विषय था जवानी
- पहला दर्जा नन्दू को मिला इनाम में चाँदी की ट्राफी मिला
- वह बहुत खुश था,उसके दोस्तों ने उसे बधाई दी
- घर पर सिर्फ आजा श्याम सिहं और सौतेली बहन सावित्री खुश थे
- सौतेली माँ महादेवी तथा पिता मनी सिहं ने ताने दिए
- नन्दू दुखी हो कर अपनी बांसूरी बजाने लगा

अ ध्याय ३

- लक्ष्मण, मंगल मेली और नन्दू की अपनी टोली थी ।
- नन्दू, मंगल, लक्ष्मण रजनी थियेटर फिल्म देखने जाते है और पकड़े जाते हैं ।
- लंच के समय वे विद्यार्थी पेड़ के नीचे बैठ कर यहाँ – वहाँ की बाते करते ।
- मेली के मास्टर शर्मा पर चाँक फेकने का इल्जाम नन्दू और रामू लेते हैं
- दोनों को यह सज़ा मिलती है कि सड़क की मोढ़ियों में दोनों ओर बड़ी–बड़ी घास काँटे

अ ध्याय ४

- नन्दू स्कूल से जल्दी आ जाता है
- सोका देखने नहीं जाता है क्योंकि उसके सिर में दर्द होता है
- जौनाते और उसके साथी आते है, लीज़ खत्म होने की सूचना देकर ज़मीन खाली करने की धमकी देते हैं
- मार–पीट होती है, सभी दुखी हे जाते हैं,श्याम सिहं नन्दू को बताता है कि वे कहीं भी चले जाए पर उसकी शरीर को सामबेतो की ज़मीन में दफन करना
- अगर उसके म्रतक शरीर को दफन करने की जगह न मिले तो कहीं भी जलाना पर उ सकी राँख को उसी सामबेतो की ज़मीन में बिखेर देना

अ ध्याय ५

- कालेज से लौट कर नन्दू को अपनी किताब में डेज़ी-उषा रानी का प्रेम पत्र मिलता है
- वह बहुत खुश था उस खत को उसने कितनी बार पढ़ी
- और उसका जवाब भी लिखा
- स्कूल जाने पर वह खत खो जाती है और वह बेचैन हो कर उस पत्र को ढूढ़ने लगता है

अ ध्याय ६

- दूसरे दिन नन्दू स्कूल गया तो कुछ डरा हुआ था
- दूसरे पीरियड कैमिस्ट्री-मास्टर ने नन्दू को रिसेस में प्रिंसिपल के पास जाने का आदेश दिया
- रिसेस में नन्दू प्रिंसिपल के पास गया पर वह डरा हुआ था
- मास्टर शर्मा भी वहीं था नन्दू को एहसास हो गया कि यह उसी की हरकत है
- पूछ ताछ करने पर डेज़ी को बुलाया गया और उसने नन्दू को पत्र लिखने पर

Day 9

भाषा

अभ्य ास

क. कोष्ठक में दिए गए शब्द में से उचित शब्द के प्रयोग से वाक्यों को पूरा कीजिए ।

१. गाँव में जमीन ----- का सबसे बड़ा कारण है । (बैर/बेर)

२. पिताजी के दाह ----- के लिए धन की आवश्यकता थी । (संस्कार/संस्कृति)

३. चाचाजी अपने बच्चों की ----- करने लगे । (सहायक/सहायता)

४. इस समस्या का ----- ढूंढ़ निकालो । (सावधान/समाधान)

५. संयासी तो दया और प्रेम के ----- होते हैं । (भंडार/खान)

ख. इन वाक्यों को सुधार कर लिखिए ।

१. मेरे को फूल दो ।

२. मैं ने अखबार पढ़ ली है ।

३. यह हम लोग का घर है ।

४. मेरा वस्तु को हाथ मत लगाओ ।

५. हम को हिन्दी नहीं आता है ।

६. वे यहाँ आया था ।

७. में अपना पुस्तक पड़ता हुँ ।

८. क्या तुम उधर जाना माँगता है ?

९. उसने सोचा कि वह झूट बोल रहा है ।

१०. क्योकि तुम झूठ बोला इसलिए तुम्हें दण्ड मिलेगा ।

ग. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के प्रयोग से वाक्यों को पूरा कीजिए :

(का, को, में, की, से, पर, के)

१. निर्धन बालक ----- साथ वह जा रहा था ।

२. जूते ----- दुकान पर माताजी आईं थी ।

३. घोड़े ----- पीछे-पीछे बालक चलता गया ।

४. टीचरजी ----- तीन बार ताली बजाई ।

५. सर्दियों में ठण्डे पानी से नहाने ----- जी नहीं करता ।

६. उसने जेब ----- हाथ डालकर घड़ी निकाली ।

७. हमारा घर ऊँचे पर्वत ----- है ।

८. पृथ्वी के भीतर ----- अनेक बहुमूल्य पदार्थ निकाले जाते हैं ।

९. इस गर्मी ----- कारण लोग बीमार पड़ रहे हैं ।

१०. पृथ्वी ----- वसुन्धरा और वसुधा भी कहा जाता है ।

Day 10

अनुवाद

Day 5

हिन्दी से अंग्रेजी

होली हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार है । इसे लोग बड़े चाव से मनाते हैं । फीजी में यह त्योहार काफी लोकप्रिय है । फाग मण्डलियाँ होली से चालीस दिन पहले होली के गीत गाने लगते हैं । लोग एक दिन पूर्व होलिका दहन करते हैं । अगले दिन लोग रंगों से खेलते हैं । फीजी में कुछ लोग गुब्बारे में रंग भरकर लोगों पर फेंकते हैं । इस त्योहार को मनाते समय हम आपस के भेदभाव को भूल जाते हैं । लोग एक दूसरे के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त करते हैं ।

Day 11

कहानी

प्रेमचन्द की कहानी "नशा " का सारांश अपने शब्दों मे लगभग १०० से १२० शब्दों में लिखिए ।